



टी20 गेंदबाजों की ताजा रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर कायम हैं

Page-04



भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

अक्षय-प्रियदर्शन की जोड़ी ने फिर जगाई उम्मीदें

Page-05



टेक्नोलॉजी-सिक््योरिटी पर खास फोकस

भारत-इजरायल

दोस्ती का नया अध्याय



● वैश्विक मंच पर भारत-इजरायल की बढ़ती रणनीतिक ताकत

● पश्चिम एशिया में भारत की मजबूत कूटनीतिक उपस्थिति

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को तेल अवीव पहुंचे, जहां उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा नेतन्याहू ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। दोनों नेताओं के बीच गर्मजोशी भरे संबंधों का स्पष्ट संकेत मिला जब उन्होंने एक-दूसरे को गले लगाया। मोदी ने एक्स पर लिखा कि इजराइल पहुंच गया। प्रधानमंत्री नेतन्याहू और श्रीमती नेतन्याहू द्वारा हवाई अड्डे पर मेरा स्वागत किए जाने से मैं अत्यंत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं द्विपक्षीय चर्चाओं और भारत-इजराइल मित्रता को मजबूत करने वाले सार्थक परिणामों की आशा करता हूं। वहीं, बेंजामिन नेतन्याहू ने लिखा कि आज मेरी पत्नी सारा और मैंने अपने प्रिय मित्र, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत किया, जो इजराइल की



एक और ऐतिहासिक यात्रा पर आए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने इससे पहले 2017 में इजराइल का दौरा किया था, और बाद में मैंने भी भारत की एक असाधारण यात्रा की थी। मेरा मानना है कि हमारे बीच की गहरी मित्रता हमारे दोनों देशों के संबंधों को सशक्त रूप से दर्शाती है। उन्होंने कहा कि हम नेसेट में आयोजित एक भव्य स्वागत समारोह में शामिल होंगे, यरूशलम में एक नवाचार कार्यक्रम में भाग लेंगे, और प्रधानमंत्री मोदी के साथ संयुक्त रात्रिभोज का आयोजन करेंगे।

कल हम याद वाशेम का दौरा करेंगे, और उसके बाद अपनी टीमों के साथ एक और बैठक करेंगे, जिसमें हम आर्थिक, सुरक्षा और राजनयिक क्षेत्रों में कई समझौतों पर हस्ताक्षर करेंगे, जो इजराइल और भारत के बीच सहयोग को और आगे बढ़ाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी आज इजराइल की संसद को संबोधित करेंगे और नेतन्याहू के साथ वार्ता करेंगे। दोनों नेता बृहस्पतिवार को व्यापक मुद्दों पर बातचीत करेंगे।

बेंजामिन नेतन्याहू ने रेड कार्पेट पर किया अभिनंदन

एक महत्वपूर्ण रक्षा सहयोग समझौते सहित कई समझौता जापनों पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है, जिससे संबंध "विशेष रणनीतिक साझेदारी" के स्तर तक पहुंचेंगे और संयुक्त उन्नत रक्षा प्रणालियों और संकटों में पारस्परिक समर्थन के लिए प्रतिबद्धताएं व्यक्त की जाएंगी। इजराइली समाचार पत्रों ने मोदी की यात्रा से जुड़ी खबरों को प्रमुखता दी है और इसे देश के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ पर एक मित्र की महत्वपूर्ण यात्रा के रूप में वर्णित किया है। सरकारी अधिकारियों से लेकर आम नागरिकों तक, यरूशलम में इस यात्रा को लेकर उत्साह स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। सड़कों पर भारतीय समुदाय के लोगों को "नमस्ते" कह कर अभिवादन किया जा रहा है। संसद भवन की ओर जाने वाली सड़कों के किनारे भारतीय और इजराइली झंडे लगाये गए हैं और 'नेसेट' को भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रंगों से रोशन किया गया है। तैयारियों में शामिल लोग आसपास मौजूद सभी भारतीयों का गर्मजोशी से अभिवादन करते और यह पूछते देखे गए कि "सब कुछ ठीक तो है और सब कुछ ठीक से हो गया है?"

पुंछ में सेना का बड़ा प्रहार:

सुरक्षाबलों ने घेराबंदी कर ठिकाने को किया नष्ट

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद के सफाए के लिए भारतीय सेना का 'ऑपरेशन ऑलआउट' लगातार जारी है। इसी कड़ी में बुधवार को सुरक्षाबलों को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। भारतीय सेना ने पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा से सटे मेंडर क्षेत्र में एक बड़े आतंकी ठिकाने को ध्वस्त कर दिया है। सेना ने मौके से भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक सामग्री बरामद की है, जिससे यह साफ होता है कि आतंकी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। जानकारी के अनुसार, सुरक्षाबलों को मेंडर सेक्टर के जंगली और पहाड़ी इलाके में आतंकियों की संदिग्ध गतिविधियों या उनके छिपने के ठिकानों को लेकर खुफिया इनपुट मिला था। इसी सूचना के आधार पर भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष दल ने इलाके



में एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया। जंगल में सघन तलाशी के दौरान जवानों ने आतंकियों के एक गुप्त ठिकाने को खोज निकाला और उसे पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया। इस आतंकी ठिकाने से सुरक्षाबलों ने हथियारों और विस्फोटकों का एक बड़ा जखीरा बरामद किया है। इनमें से एक

4.5 किलोग्राम का बेहद शक्तिशाली IED है, जो बड़े पैमाने पर तबाही मचाने में सक्षम है, जबकि दूसरा एक छोटा IED है। 2 चीनी ग्रेनेड 1 पिस्तौल (Pistol), 22 एके-47 (AK-47) के निंदा कारतूस, एक बैकपैक जिसमें आतंकियों का अन्य सामान रखा हुआ था।

“दोषी हूं तो ऐसी सजा मिले जिसकी मिसाल न हो”;

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

देश की धार्मिक नगरी के रूप में विख्यात वाराणसी में इस समय इलाहाबाद पुलिस ने डेरा डाल रखा है, कारण है शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पर लगा यौन शोषण का आरोप। जैसे-जैसे गंगा में पानी बढ़ रहा है, वैसे-वैसे अविमुक्तेश्वरानंद की जुबान से प्रशासन पर आरोपों की बौछार भी हो रही है। अब स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने एक तस्वीर जारी कर शासन प्रशासन पर मिली भगत का आरोप लगाया है। उन्होंने अपने खिलाफ दर्ज केस को राजनीतिक साजिश तक करार दिया। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने मीडिया से बात



करते हुए एक फोटो दिखाया। जिसमें उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने वाले आशुतोष ब्रह्मचारी और प्रयागराज के एडिशनल एसपी पुलिस

कमिश्नर अजय पाल शर्मा दिख रहे हैं। तस्वीर में एडिशनल एसपी केक काटते दिख रहे हैं। वहीं आशुतोष ब्रह्मचारी बगल में खड़े होकर ताली बजा रहे हैं।

हिन्दी जगत महामंच

www.tvbharatvarsh.in



भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर

प्रदेश का नं. 1

प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़

ई-पेपर



विज्ञापन दर

साईज रेट	डिजिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अवर)	फुल पेज (कवर 2-3)	फुल पेज (कवर 4-अवर)	(फ्रंट पेज)
	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

किशनगंज में अमित शाह की हाई-लेवल बैठक, भारत-नेपाल सीमा सुरक्षा पर सख्त समीक्षा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का किशनगंज दौरा भारत-नेपाल सीमा की संवेदनशीलता और सुरक्षा चुनौतियों के मद्देनजर बेहद अहम माना जा रहा है। इस क्षेत्र में सीमा निगरानी की जिम्मेदारी सशस्त्र सीमा बल पर है, जहां अवैध आवाजाही और तस्करी जैसे मुद्दे समय-समय पर चिंता बढ़ाते रहे हैं। बिहार में बढ़ती राजनीतिक सक्रियता के बीच यह हाई-लेवल बैठक सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और केंद्र-राज्य समन्वय बेहतर बनाने की रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बुधवार को बिहार के किशनगंज पहुंचे और भारत-नेपाल सीमा सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर अधिकारियों के साथ उच्च-स्तरीय बैठक की। यह बैठक सीमांचल क्षेत्र में तीन दिवसीय दौरे के पहले चरण का हिस्सा है, जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा, सीमा-प्रबंधन और घुसपैठ-निरोध से जुड़े मुद्दों पर गहन चर्चा की जा रही है। अमित शाह का यह दौरा 25 से 27 फरवरी 2026 तक जारी रहेगा और इसका मुख्य केंद्र भारत-नेपाल सीमा से सटे किशनगंज, अररिया और पूर्णिया जिलों में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेना है। मंगलवार शाम करीब 5 बजे किशनगंज एयरपोर्ट



पर गृह मंत्री का स्वागत बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने किया। बैठक में वरिष्ठ अधिकारियों, जिला प्रशासन, एसएसबी (Sashastra Seema Bal), बीएसएफ (Border Security Force) और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुख मौजूद रहे। चर्चा का प्रमुख फोकस भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर निगरानी प्रणाली को और मजबूत बनाना, अवैध गतिविधियों जैसे तस्करी, घुसपैठ और नकली मुद्रा के प्रसार पर नियंत्रण तथा तकनीकी निगरानी बढ़ाने जैसे विषय रहे। बातचीत के दौरान विशेष रूप से सीमा-पार गतिविधियों, खुफिया सूचना के

आदान-प्रदान और सुरक्षा तंत्र के समन्वय को बेहतर बनाने पर जोर दिया गया। सूत्रों के अनुसार केंद्र सरकार इस क्षेत्र में बाधित प्रसार को रोकने के लिए अधिक प्रभावशाली उपाय लागू करने पर भी विचार कर रही है। यह दौरा सीमांचल क्षेत्र की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए आयोजित किया गया है, जहां करीब 700 किलोमीटर लंबी भारत-नेपाल की खुली सीमा है। इस क्षेत्र में बढ़ती संदिग्ध आवाजाही और अवैध घुसपैठ को रोकने के लिए गृह मंत्री अधिकारियों से विस्तृत समीक्षा कर रहे हैं। समीक्षा बैठक में सीमा सुरक्षा पर समग्र रणनीति, त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र और स्थानीय प्रशासन के साथ साझा निगरानी पर भी चर्चा

हुई। केंद्रीय गृह मंत्री का दौरा सिर्फ सुरक्षा समीक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें स्थानीय प्रशासन और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय बनाने का भी उद्देश्य है। इसके अलावा दौरे के दौरान सीमांत गांवों के निवासियों से बातचीत और उनकी सुरक्षा चिंताओं को भी सुना जाएगा। राजनीतिक पृष्ठभूमि पर नजर डालें तो इस दौरे को सीमांचल और उत्तर बिहार की राजनीति और 2026 के आसपास के निर्वाचन परिवेश से भी जोड़ा जा रहा है। जबकि सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि बढ़ती वैश्विक और क्षेत्रीय चुनौतियों के बीच इस तरह की समीक्षा बैठकें देश की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करेंगी।

प्रदर्शन के दौरान घायल हुई केरल की स्वास्थ्य मंत्री



टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

केरल की स्वास्थ्य मंत्री विना जॉर्ज शुक्रवार को कन्नूर रेलवे स्टेशन पर हुए एक उग्र विरोध प्रदर्शन के दौरान घायल हो गईं। घटना उस समय हुई जब मंत्री कन्नूर रेलवे स्टेशन के टिकट काउंटर के पास से वंदे भारत एक्सप्रेस में सवार होने पहुंची थीं। बताया जा रहा है कि केरल स्टूडेंट्स यूनियन (KSU) के कार्यकर्ताओं ने मंत्री के खिलाफ काले झंडे दिखाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। इसी दौरान कथित तौर पर धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई, जिसमें मंत्री के गर्दन और हाथ में चोटें आईं। हालात बिगड़ने के बाद उन्हें तुरंत कन्नूर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया। घटना के बाद उनकी प्रस्तावित यात्रा रद्द कर दी गई। पिछले कुछ दिनों से कन्नूर जिले में मंत्री के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों का सिलसिला जारी है। विपक्षी दल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी स्वास्थ्य विभाग में कथित मेडिकल लापरवाही के मामलों में बढ़ोतरी को लेकर सरकार और मंत्री को घेर रहे हैं। विपक्ष का आरोप है कि राज्य में हाल के दिनों में चिकित्सा लापरवाही की घटनाएं बढ़ी हैं, जिसके लिए स्वास्थ्य विभाग जिम्मेदार है। सूत्रों के मुताबिक, शुक्रवार को जिले के इरिकुर, थालास्सेरी, कोडवल्ली, चालोदे और अथिप्पुझा समेत कई इलाकों में KSU कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किए और काले झंडे लहराए। रेलवे स्टेशन पर हुआ प्रदर्शन अचानक उग्र हो गया, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा में चूक कैसे हुई। अधिकारियों का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज खंगाला जा रहे हैं और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद राज्य की राजनीति में भी हलचल तेज हो गई है। सत्तारूढ़ दल ने इस घटना की निंदा करते हुए इसे लोकतांत्रिक मर्यादाओं के खिलाफ बताया है, वहीं विपक्ष ने कहा है कि उनका विरोध शांतिपूर्ण था। फिलहाल, मंत्री की हालत स्थिर बताई जा रही है और डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज जारी है।

स्टेट ऑफ द यूनियन 2026 में ट्रंप का ईरान पर तीखा हमला

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्टेट ऑफ द यूनियन-2026 में संबोधन के दौरान ईरान पर तीखा हमला बोला है। ट्रंप ने ईरान के प्रशासन का मखौल उड़ाते उन्हें सड़कछाप बमों का राजा बताया। राष्ट्रपति ने कहा कि ईरान के प्रशासन और इसके खुनी प्रॉक्सि ने दशकों से केवल आतंकवाद, मौत और नफरत फैलाई है। उन्होंने हजारों अमेरिकी सैनिकों को मारा और लाखों लोगों को रोडसाइड बमों से मारा-घायल किया। वे रोडसाइड बमों के राजा थे। ट्रंप ने इस दौरान अपने पहले कार्यकाल में ईरानी जनरल सुलेमानी को खत्म करने का जिक्र किया। उन्होंने कहा, "मैंने सुलेमानी को खत्म किया था, इसका बहुत बड़ा असर हुआ। वह रोडसाइड बम का फादर था। ट्रंप ने कहा कि ईरान दुनिया का नंबर 1 आतंकवाद प्रायोजक है। ट्रंप ने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार नहीं बनाने देंगे। "मेरा पसंदीदा तरीका कूटनीति है, लेकिन एक बात निश्चित है कि दुनिया के नंबर 1 आतंक प्रायोजक को परमाणु हथियार नहीं मिलेंगे। "ट्रंप ने दावा किया कि ईरान यूरोप और अमेरिकी बेसों को निशाना बनाने वाली मिसाइल विकसित कर चुका है और जल्द ही अमेरिका तक पहुंचने वाले मिसाइल बना रहा है। उन्होंने कहा, "हमने उनके परमाणु कार्यक्रम को मिटा दिया था, लेकिन वे फिर से शुरू कर रहे हैं। वे अभी भी अपनी खतरनाक महत्वाकांक्षाओं का



पीछा कर रहे हैं। संबोधन के दौरान रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ भी मौजूद थे और वह तालियां बजा रहे थे। ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी कि अगर वे परमाणु हथियार बनाने की कोशिश जारी रखेंगे तो अमेरिका सभी विकल्पों का इस्तेमाल करेगा। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने हजारों प्रदर्शनकारियों की हत्या की है। राष्ट्रपति ने आगे कहा- ईरान डील चाहता है, लेकिन "पवित्र शब्द" नहीं कह रहा कि हम कभी परमाणु हथियार नहीं बनाएंगे। " ट्रंप की यह टिप्पणियां ईरान के साथ चल रही परमाणु वार्ता और मध्य पूर्व में अमेरिकी सैन्य तैनाती के बीच आई हैं, जहां ट्रंप ने पहले भी ईरान के परमाणु साइट्स पर हमले करवाए थे।



फिलीपींस में उड़ान भरते वक्त कंक्रीट के बैटिरियर से टकराया अमेरिका का सैन्य विमान, 5 कर्मचारी घायल

अवामी लीग के नेताओं की जमानत पर अदालत में वकीलों ने की बदसलूकी

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

बांग्लादेश के बारिशाल जिले की एक अदालत में अवामी लीग के कई नेताओं को जमानत दी गई। इसके बाद कोर्ट परिसर में कुछ वकीलों ने जमकर बदसलूकी की। पेरिस स्थित अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन 'जस्टिस मेकर्स बांग्लादेश इन फ्रांस' (जेएमबीएफ) ने इस घटना की कड़ी आलोचना की है। संगठन ने इसे लोकतंत्र, कानून के शासन और न्यायपालिका की आजादी पर सीधा हमला बताया है। जेएमबीएफ का आरोप है कि विपक्षी पार्टी बीएनपी से जुड़े वकीलों का व्यवहार बेहद निंदनीय था। ये वकील जबरदस्ती कोर्टरूम में घुस गए और बेंच के साथ धक्का-मुक्की की। उन्होंने जज के साथ भी बुरा बर्ताव किया। वकील उन पर चिल्ला रहे थे और उनकी तरफ उंगली दिखाकर दबाव बना रहे थे। यह घटना मंगलवार को अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट एस. एम. शरियत उल्लाह की अदालत में हुई। संगठन के संस्थापक अध्यक्ष शाहमूर इस्लाम ने कहा कि यह घटना न्यायपालिका की गरिमा और सुरक्षा पर बड़े सवाल खड़े करती है। उन्होंने कहा कि फैसले से असहमति होने पर ऊपरी अदालत में अपील करनी चाहिए। कोर्ट को युद्ध का मैदान बनाना गलत है। और इसे



तुरंत रोका जाना चाहिए। ये वकील बिना अपील या किसी सही प्रक्रिया को अपनाए जज पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे थे। कुल मिलाकर ये न्याय को प्रभावित करने की कोशिश थी। मानवाधिकार संगठन ने मांग की है कि इस मामले की न्यायिक जांच होनी चाहिए। इसके लिए हाई कोर्ट के जज की अगुवाई में एक आयोग बनाया जाए। दोषियों की पहचान कर उन्हें पारदर्शी तरीके से सजा मिलनी चाहिए। जेएमबीएफ ने कहा कि "कोर्टरूम में गैर-कानूनी तरीके से घुसना, बेंच पर मारपीट करना, जज पर उंगली उठाना और चिल्लाना, और न्यायिक कार्रवाई में रुकावट डालना" साफ तौर पर "कोर्ट की अवमानना" है और ये सजा के लायक अपराध हैं जिनसे उसी हिसाब से निपटना चाहिए।

बंगाल चुनाव 2026 से पहले हावड़ा में तृणमूल कांग्रेस नेता की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

हावड़ा जिले में एक तृणमूल कांग्रेस के नेता की गोली मारकर हत्या कर दी गयी है। गोलाबाड़ी थाना क्षेत्र के पिलखाना सेकेंड बाइ लेन में बुधवार तड़के रंगदारी नहीं देने पर तृणमूल के एक युवा नेता, जो बिल्डर भी है, की गोली मारकर हत्या कर दी गयी। हमलावरों ने तृणमूल नेता पर 4-5 राउंड गोलियां चलायीं। बह-सुबह हुई शूटआउट की घटना से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गयी। दुकानदारों ने दुकानें बंद कर दीं। सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची। खून से लथपथ तृणमूल नेता को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक का नाम शफीक खान (32) है। हैरान करने वाली बात यह है कि हमलावर भी तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता बताये जा रहे हैं। इस हत्याकांड का मुख्य आरोपी हारुन खान है। वह अफगानी है। पुलिस जांच में जुट गयी है और सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। इससे पहले कि शफीक खान कुछ समझ पाता, हारुन के एक साथी ने पिस्तौल



निकाली और पीछे से शफीक के सिर पर गोली मार दी। गोली लगते ही शफीक जमीन पर गिर पड़ा। फिर हारुन और उसके साथी ने शफीक के सीने में कई गोलियां मारीं और वहां से भाग निकला। सुबह-सुबह गोली की आवाज सुनते ही बाजार में अफरा-तफरी मच गयी। लोग इधर-उधर भागने लगे। दुकानें बंद होने लगीं। हत्याकांड का मुख्य आरोपी हारुन वार्ड नंबर 16 में तृणमूल कांग्रेस का युवा नेता है। हारुन और

शफीक के बीच पुरानी रंजिश थी। हारुन ने शफीक से 10 लाख रुपए रंगदारी मांगी थी, लेकिन शफीक ने रंगदारी देने से इनकार कर दिया था। इस घटना के विरोध में स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर दी। इससे जीटी रोड पर जाम की स्थिति बन गयी। पुलिस ने समझाकर प्रदर्शनकारियों को वहां से हटाया और फिर यातायात व्यवस्था सामान्य हुई।

सुप्रीम कोर्ट ने एनसीईआरटी की कक्षा 8 की किताब में न्यायपालिका पर चर्चा पर जताई गंभीर नाराजगी

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एनसीईआरटी की कक्षा आठ की सामाजिक विज्ञान की किताब में न्यायपालिका से जुड़े खंड को लेकर गंभीर नाराजगी जताई है। इस खंड में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार और अन्य संवेदनशील मुद्दों का उल्लेख किया गया था, जिसे लेकर अदालत ने स्वतः संज्ञान लेने का संकेत दिया। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने स्पष्ट कहा कि अदालत किसी भी हाल में न्यायपालिका की छवि खराब होने की अनुमति नहीं दे सकती। उन्होंने कहा कि कानून अपना काम करेगा और आवश्यकता पड़ने पर अदालत इस मामले में स्वतः संज्ञान लेगी। उन्होंने यह भी कहा कि मामला अत्यंत गंभीर है और इसे हल्के में नहीं लिया जाएगा। मुख्य न्यायाधीश ने संकेत दिए कि इस विषय में उचित कदम उठाए जाएंगे, हालांकि उन्होंने विस्तार से टिप्पणी करने से परहेज किया। यह विवाद एनसीईआरटी की कक्षा आठ की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक में शामिल एक खंड को लेकर उठाया गया, जिसमें न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से संबंधित चर्चा की गई थी। कई वरिष्ठ वकीलों ने इस पर चिंता जताई। पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने अदालत से आग्रह किया कि इस मामले में स्वतः संज्ञान लिया जाए। उनका कहना था कि बच्चे जो पढ़ते हैं, वही उनके मन में बैठता है, और यदि



न्यायपालिका को लेकर नकारात्मक संदेश जाएगा तो यह संस्थान की विश्वसनीयता और प्रतिष्ठा को प्रभावित करेगा। वहीं वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने भी इस विषय पर चिंता व्यक्त की और कहा कि ऐसी सामग्री शिक्षकों और छात्रों के लिए संतुलित, जिम्मेदार और तथ्यात्मक होनी चाहिए। उनका मानना है कि शिक्षा सामग्री में किसी भी संवेदनशील संस्थान के खिलाफ अप्रभावित और असत्यापित कथन बच्चों की मानसिकता पर गलत

प्रभाव डाल सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिया है कि मामले में उचित कार्रवाई की जाएगी और न्यायपालिका की गरिमा बनाए रखना आवश्यक है। यह मामला शिक्षा सामग्री और संस्थागत सम्मान के बीच संतुलन का विषय बन गया है। एनसीईआरटी को इस खंड में संशोधन करने या कथ्य को संतुलित रूप में प्रस्तुत करने की आवश्यकता पड़ सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह मामला शिक्षा और न्यायपालिका के बीच संवेदनशील संतुलन की

परीक्षा है। अब यह देखा जाएगा कि अदालत इस विषय में क्या दिशा-निर्देश देती है और बच्चों की शिक्षा के साथ-साथ न्यायपालिका की प्रतिष्ठा कैसे सुरक्षित रहती है। इस विवाद ने शिक्षा और संस्थागत सम्मान के बीच संतुलन की महत्वपूर्ण बहस को फिर से सक्रिय कर दिया है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि किसी भी संवेदनशील विषय को पाठ्यक्रम में शामिल करते समय सटीक और संतुलित दृष्टिकोण अपनाना अनिवार्य है।

सीटेट पेपर 2 री-एग्जाम डेट घोषित, प्रभावित अभ्यर्थियों को मिलेगा मौका

सीबीएसई ने सीटेट के पेपर 2 के लिए री-एग्जाम डेट घोषित कर दी है। यह परीक्षा उन प्रभावित अभ्यर्थियों के लिए आयोजित की जाएगी जिनकी परीक्षा रद्द कर दी गई थी। उम्मीदवारों को अब दोबारा परीक्षा देने का अवसर मिलेगा। परीक्षा निर्धारित तिथि पर आयोजित की जाएगी। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन ने केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (CTET) फरवरी 2026 सत्र के तहत पेपर 2 के लिए री-एग्जाम आयोजित करने का निर्णय लिया है। यह निर्णय उन अभ्यर्थियों के लिए लिया गया है जिनकी परीक्षा बिहार के वैशाली जिले में स्थित कुछ केंद्रों पर रद्द कर दी गई थी। रद्द हुई परीक्षा में शामिल उम्मीदवारों को अब 1 मार्च को पुनः परीक्षा देने का अवसर प्रदान किया जाएगा। यह कदम प्रभावित अभ्यर्थियों को न्यायसंगत अवसर देने के उद्देश्य से उठाया गया है। सीबीएसई ने सीटेट (CTET) का 21वां संस्करण 7 और 8 फरवरी, 2026 को (पेपर-I और पेपर-II) आयोजित किया। प्रशासनिक कारणों से, 7 फरवरी, 2026 को पेपर-II की परीक्षा कुछ केंद्रों पर आयोजित नहीं की जा सकी, जिसमें लक्ष्म अकादमी, बरडीहा, पातेपुर, वैशाली (हाजीपुर), बिहार-843110 तथा सेंट जॉन अकादमी, बासमती नगर, केशोपुर, पोस्ट ऑफिस बलुका राम वैशाली, बिहार-844113 शामिल हैं। अब इन दोनों केंद्रों पर पेपर-II की परीक्षा 1 मार्च 2026 (रविवार) को होगी। जिन उम्मीदवारों का केंद्र इन जगहों पर था, उन्हें नया प्रवेश पत्र उनके लॉगिन में जल्द मिलेगा। सभी उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे वेबसाइट ctet.nic.in से अपना संशोधित एडमिट कार्ड डाउनलोड करें और तय तारीख पर परीक्षा दें। यह अंतिम मौका होगा, इसलिए परीक्षा तिथि या केंद्र बदलने का अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा।

मैच में हुआ बवाल कप्तान ने विपक्षी खिलाड़ी को मारा सिर



****वरुण चक्रवर्ती** टी20 गेंदबाजों की ताजा रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर कायम हैं।**

उनकी लगातार शानदार गेंदबाजी ने उन्हें विश्व स्तरीय स्पिनरों में नंबर वन बना दिया है।

भारतीय घरेलू क्रिकेट का सबसे बड़ा फर्स्ट क्लास टूर्नामेंट रणजी ट्रॉफी के मौजूदा सीजन का फाइनल मुकाबला हुबली के स्टेडियम में कर्नाटक और जम्मू-कश्मीर की टीम के बीच में खेला जा रहा है। इस मैच में जम्मू-कश्मीर की टीम ने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया था, जिसके बाद से उनकी तरफ से अब तक दूसरे दिन के खेल में भी काफी बेहतर बल्लेबाजी प्रदर्शन देखने को मिला है। वहीं दूसरे दिन के खेल में जम्मू-कश्मीर टीम का कप्तान पारस डोगरा और कर्नाटक टीम के प्लेयर्स के बीच में बवाल देखने को मिला, जिसका वीडियो सोशल मीडिया काफी तेजी से वायरल हो रहा है। जम्मू-कश्मीर टीम के कप्तान पारस डोगरा का बल्ले से पहली पारी में 70 रनों की शानदार इनिंग देखने को मिली। वहीं दूसरे दिन के खेल के दौरान उनकी पारी के 101वें ओवर में जब प्रसिद्ध कृष्णा गेंदबाजी कर रहे थे, तो उस समय पारस डोगरा के बल्ले से एक गेंद का किनारा लगा और वह सीधे चौके के लिए चली गई। इसी दौरान कर्नाटक टीम के प्लेयर केवी अनीश जो सबस्टीट्यूट फील्डर वह फॉर्बिडन शॉर्ट लेग पर फील्डिंग कर रहे थे, उनके पास



अचानक पारस डोगरा आते हैं और कुछ बातचीत करते हैं, जिसमें इसी दौरान उन्होंने अनीश के सिर पर अपना सिर मार दिया। इसी दौरान कर्नाटक टीम के अनुभवी खिलाड़ी मयंक अग्रवाल जिन्होंने इस घटना को देखा और वह तुरंत पारस डोगरा के पास गुस्से में पहुंचे जिसके बाद दोनों में कहासुनी शुरू हो गई। फील्ड अंपायर ने इस दौरान बीच-बचाव करते हुए मामले को शांत कराने की कोशिश की। वहीं केएल राहुल ने भी इस घटना को लेकर जम्मू-कश्मीर के कप्तान पारस डोगरा से बात की।

क्या द हंड्रेड से बाहर होंगे पाकिस्तानी खिलाड़ी? ECB ने तोड़ी चुप्पी

इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने साफ किया है कि द हंड्रेड में चयन के दौरान पाकिस्तानी खिलाड़ियों के साथ किसी भी तरह का भेदभाव नहीं किया जाएगा। बीते हफ्ते BBC की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि आठ टीमों वाली इस प्रतियोगिता की चार फ्रेंचाइजी मैनचेस्टर सुपर जायंट्स, एमआई लंदन, सदर्न ब्रेव और सनराइजर्स लीड्स अगले महीने होने वाली नीलामी में पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर विचार नहीं कर रही हैं। इस बार कुल 67 पाकिस्तानी खिलाड़ियों (63 पुरुष और 4 महिला) ने दावेदारी पेश की है। ऐसे में रिपोर्ट सामने आने के बाद क्रिकेट जगत में हलचल मच गई थी। ECB ने अपने बयान में कहा कि द हंड्रेड एक समावेशी और सभी के लिए खुली प्रतियोगिता है और चयन केवल प्रदर्शन, उपलब्धता और टीम की जरूरतों के आधार पर होगा। गौरतलब है कि पाकिस्तान के खिलाड़ी 2009 के बाद से इंडियन प्रीमियर लीग में नहीं खेले हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच कूटनीतिक तनाव के कारण यह स्थिति बनी हुई है। अब जब कई IPL मालिक अलग-अलग देशों की लीगों में भी टीमें खरीद चुके हैं, तो आशंका जताई जा रही थी कि पाकिस्तानी खिलाड़ियों के लिए अन्य लीगों के दरवाजे



भी सीमित हो सकते हैं। द हंड्रेड का ऑक्शन 11 और 12 मार्च को लंदन में आयोजित होगा, जहां खिलाड़ियों की किस्मत का फैसला होगा। इस पूरे विवाद के बीच इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भी ECB से कार्रवाई की मांग की थी। उन्होंने कहा कि यदि क्रिकेट को इंग्लैंड का सबसे समावेशी खेल बनाना है, तो ऐसे भेदभाव की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। अब नजरे लंदन में होने वाली ऑक्शन पर लगी हैं। क्या पाकिस्तानी खिलाड़ियों को द हंड्रेड में बराबरी का मौका मिलेगा या विवाद फिर जोर पकड़ेगा, इसका जवाब जल्द ही मिल जाएगा।

भारत को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए चाहिए बड़ी जीत

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 चरण में गुरुवार को भारतीय टीम का सामना जिम्बाब्वे से होगा। यह मुकाबला चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। भारतीय टीम सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व में मैदान में उतरेगी, लेकिन पहले मैच में साउथ अफ्रीका के हाथों 76 रन की हार के बाद उस पर सेमीफाइनल में पहुंचने का अतिरिक्त दबाव है। ग्रुप-1 की प्वाइंट्स टेबल में भारत तीसरे स्थान पर है, उसके नेट रन रेट -3.800 है। वहीं वेस्टइंडीज 5.350 के नेट रन रेट के साथ पहले, साउथ अफ्रीका 3.800 के नेट रन रेट के साथ दूसरे और जिम्बाब्वे -5.350 के नेट रन रेट के साथ चौथे स्थान पर है। सुपर-8 चरण में भारत के अभी दो मुकाबले बचे हैं और सिर्फ जीतना ही पर्याप्त नहीं होगा। उसे बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी होगी ताकि उसका नेट रन रेट सुधरे और सेमीफाइनल की संभावना मजबूत हो। विशेषज्ञों के अनुसार भारत को जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज

दोनों को हराना होगा ताकि उसके चार अंक हो जाएं। हालांकि, लगातार दो मैच जीतने के बावजूद भारत की सेमीफाइनल में पहुंचने की गारंटी नहीं है। सबसे आसान समीकरण के तहत, भारत को दोनों मैच जीतने होंगे और साउथ अफ्रीका को अपने बाकी मैच जीतने होंगे। अगर साउथ अफ्रीका को हार मिलती है तो तीन टीमों चार-चार अंक पर आ जाएंगी और नेट रन रेट से सेमीफाइनल की टीम तय होगी। जिम्बाब्वे के खिलाफ भारत के लिए बड़ी जीत अनिवार्य है। अगर भारतीय टीम 80-100 रन के अंतर से जीतती है, तो उसका नेट रन रेट सुधरेगा और वेस्टइंडीज के खिलाफ अगले मुकाबले में सेमीफाइनल की संभावना प्रबल होगी। 1 मार्च को भारत और वेस्टइंडीज का मुकाबला लगभग क्वार्टर फाइनल जैसा होगा। गत चैंपियन भारत अब केवल जीत पर निर्भर नहीं रह सकता, उसे जोरदार और अंतर से जीत दर्ज



करनी होगी ताकि सेमीफाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित कर सके। भारतीय टीम इस समय अपनी रणनीति और खिलाड़ियों की फॉर्म पर पूरा ध्यान केंद्रित कर रही है। विशेषज्ञ मानते हैं कि तेज गेंदबाजी, ताबड़तोड़ बल्लेबाजी और धैर्यपूर्ण खेल ही भारत को सेमीफाइनल की राह दिखा सकता है।

चीन में बिना बीमारी लोगों को बना दिया 'मानसिक रोगी'

'पागलखाने' बने कमाई का अड्डा

चीन के हुबेई प्रांत में निजी मानसिक अस्पताल सरकारी बीमा राशि हड़पने के लिए स्वस्थ लोगों को जबरन भर्ती कर रहे हैं. अंडरकवर जांच में फर्जी बिलिंग, कमीशनखोरी और मरीजों के दुर्व्यवहार का पर्दाफाश हुआ है.

चीन के मध्य क्षेत्र में स्थित कई निजी मनोचिकित्सीय अस्पतालों पर इन दिनों सवाल उठ रहे हैं. वजह है एक अंडरकवर जांच, जिसमें दावा किया गया कि गंभीर मानसिक बीमारी न होने के बावजूद लोगों को जबरन दाखिल किया गया, ताकि देश की सार्वजनिक स्वास्थ्य बीमा प्रणाली से पैसा हड़पा जा सके. यह मामला सबसे पहले बीजिंग न्यूज की रिपोर्ट में सामने आया, जिसे बाद में साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने भी



प्रकाशित किया. रिपोर्ट के अनुसार हुबेई प्रांत के शियांगयांग स्थित कई निजी मानसिक अस्पताल कथित रूप से 'फ्री हॉस्पिटलाइजेशन' का लालच देकर लोगों को लंबे समय तक भर्ती करते थे. चीन की मेडिकल इश्योरेस प्रणाली में मरीजों को केवल थोड़ी राशि देनी होती है, जबकि बाकी रकम सरकार

वहन करती है और कथित तौर पर इसी खामी का फायदा उठाया गया. अंडरकवर पत्रकार ने जब एक रिश्तेदार का नाटक कर 10 से अधिक अस्पतालों से संपर्क किया, तो सभी ने कम खर्च में लंबे समय तक भर्ती रखने की पेशकश की. एक स्टाफ सदस्य ने तो साफ कहा- हम चाहते हैं कि आपका रिश्तेदार

यहां लंबे समय तक रहे. इसके बाद पत्रकार ने शियांगयांग होंगआन मनोरोग अस्पताल में नर्स की नौकरी भी हासिल कर ली. अंदर की स्थिति और भी चौंकाने वाली थी-कई मरीज हल्के या बिल्कुल भी लक्षण नहीं दिखाते थे. कुछ बुजुर्ग अस्पताल को सस्ते नर्सिंग होम की तरह उपयोग कर रहे थे. एक नर्स ने स्वीकार किया कि उसे भी झूठा इनपेण्ट दिखाया गया, जबकि वह सामान्य रूप से काम करता रहा. एक मरीज, जिसने 90 दिन अस्पताल में बिताए, उसे 12,426 युआन का बिल दिया गया, जिसमें लगभग 6,000 युआन ऐसे इलाजों के लिए थे, जो उसके अनुसार कभी हुए ही नहीं. धोखाधड़ी के अलावा, रिपोर्ट में शारीरिक दुर्व्यवहार, मरीजों के मोबाइल जब्त करने, और परिवार से संपर्क सीमित करने जैसी शिकायतें भी शामिल हैं. ①



कॉफी पॉट बनी 'वॉशिंग मशीन'

अक्सर यूट्यूब और सोशल मीडिया पर होटल से जुड़े यूट्यूबर्स और ट्रेवल इन्फ्लुएंसर्स के वीडियो लोगों को हैरान कर देते हैं. कभी होटल के छिपे राज सामने आते हैं तो कभी अजीबोगरीब ट्रेवल हैक्स वायरल हो जाते हैं. इन दिनों भी ऐसा ही एक वीडियो इंटरनेट पर तेजी से चर्चा में है, जिसमें एक अमेरिकी इन्फ्लुएंसर ने होटल की कॉफी मशीन से अंडरगारमेंट्स धोने का तरीका बताया और इसे देखकर लोग हैरान रह गए. ②

गांव की रसोई से ग्लोबल पहचान

बंगाल की पुजारिनी प्रधान बनीं सोशल मीडिया स्टार

हर इन्फ्लुएंसर शहरों की चमक-दमक से ही मशहूर नहीं होता. कुछ लोग गांव की साधारण जिंदगी से भी दुनिया भर में पहचान बना लेते हैं. ऐसी ही कहानी है पुजारिनी प्रधान की, जो ग्रामीण बंगाल में रहते हुए अपनी सादगी भरी जिंदगी के वीडियो से सोशल मीडिया पर लाखों लोगों का दिल जीत रही हैं. उनके Instagram पर 5 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं. वह पश्चिम बंगाल के पूर्वी मिदनापुर जिले में अपने रोजमर्रा के जीवन की झलकियां दिखाती हैं- जैसे खाना बनाना, किताब पढ़ना, परिवार के साथ समय बिताना और अपनी दिनचर्या साझा करना. उनकी सादगी और असली जिंदगी दिखाने का अंदाज



ही लोगों को सबसे ज्यादा पसंद आता है. पुजारिनी को पढ़ने का बहुत शौक है. वह अक्सर किताबों के बारे में बात करती हैं. एक वीडियो में वह A Thousand Splendid Suns पढ़ती नजर आई और उन्होंने बताया कि यह उपन्यास उन्हें कितना पसंद है. ③

सैन फ्रांसिस्को में रहने वाली महिला ने बताई हकीकत

करोड़ों में कमाई पर 50-50 रुपए का हिसाब

सैन फ्रांसिस्को में रहने वाली एक भारतीय महिला ने सोशल मीडिया पर अपने विदेश पर रहने और अपने खर्चों को लेकर बात की है. इसके बाद से यूजर्स हैरान हैं. महिला ने बताया कि कैसे वह और उसके पति 250,000 डॉलर की घरेलू आय को मैनेज करते हुए खर्चों और घर के कामों को समान रूप से बांटते हैं. इस वीडियो को शिवी चौहान नाम के अकाउंट से पोस्ट किया गया है.

इंस्टाग्राम पर शिवी चौहान ने एक वीडियो शेयर किया जिसमें उन्होंने बताया कि उनकी और उनके पति की वार्षिक आय करीब 250,000 डॉलर से अधिक (यानी कि 22681712.50 रुपये) हैं. वीडियो की शुरुआत में उन्होंने समझाया कि मेरे पति और मैं मिलकर सालाना 250,000 डॉलर से अधिक कमाते



सोशल मीडिया पर सैन फ्रांसिस्को में रहने वाली एक भारतीय महिला का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है.

हैं और हम अपने खर्चों को इस तरह बांटते हैं. मेरे पति सैन फ्रांसिस्को स्थित हमारे घर के मॉर्गेज और टैक्स का भुगतान करते हैं और मैं बाकी सभी खर्चों का भुगतान करती हूँ, जिसमें डेकेयर का खर्च और क्रेडिट कार्ड के बिल शामिल

हैं. हमारे क्रेडिट कार्ड के बिलों में पेट्रोल, किराने का सामान, पब्लिक ट्रांसपोर्ट, बिजली-पानी और यात्रा सब कुछ शामिल है.

उन्होंने आगे कहा कि इस व्यवस्था के बावजूद, पति-पत्नी बराबर योगदान देते हैं. मैंने जो बंटवारा बताया है, वह हमारे लिए अच्छा काम करता है क्योंकि इस बंटवारे के बावजूद भी हम 50-50 खर्च करते हैं. हां, सैन फ्रांसिस्को में घर का लोन और उसका ब्याज काफी ज्यादा है. शिवी चौहान ने वीडियो में यह भी बताया कि जब हम कुछ महंगा या बड़ी खरीदारी करने वाले होते हैं, तो उसके बारे में पहले से विचार कर लेते हैं.

जब कोई महंगी चीज खरीदने की बात आती है, जैसे मैंने यह कार्टियर ब्रेसलेट खरीदा, तो हम पहले से ही एक-दूसरे से चर्चा कर लेते हैं. ④

'भूत बंगला' के पहले गाने का टीज़र रिलीज़

अक्षय-प्रियदर्शन की जोड़ी ने फिर जगाई उम्मीदें

2026 की बॉलीवुड की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक भूत बंगला के प्रमोशनल अभियान में और तेजी आ गई है। इस फिल्म के मेकर्स ने आज उसका पहला गाना 'राम जी आके भला करेंगे' का टीज़र जारी कर दिया है, जिसने फैंस के बीच उत्साह की लहर दौड़ा दी है। यह प्रोजेक्ट खास इसलिए भी है क्योंकि यह अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन को करीब 14 साल बाद बड़े पर्दे पर फिर से साथ ला रहा है — जोड़ी जिसने पहले कई कॉमिक हिट्स दिए हैं। टीज़र में अक्षय कुमार की जमकर एनर्जी दिखाई दे रही है। वह फिल्म के कॉमिक-हॉरर स्वर में खुद को पूरी तरह से डाले हुए हैं, और उनके फैंस को उनकी ट्रेडमार्क कॉमिक टाइमिंग और जोरदार एक्सप्रेसन्स का स्वाद दे रहे हैं। गाने के टीज़र में रंगीन दृश्य, ऊर्जावान बीट्स और हास्य-भरे मूवमेंट्स साफ दिख रहे हैं, जिससे यह साफ है कि यह फिल्म मनोरंजन के साथ-साथ खूब मस्ती भी लेकर आ रही है। यह गाना संगीतकार प्रीतम द्वारा कंपोज किया गया है, जबकि इसके बोल कुमार ने लिखे हैं। इस ट्रैक को देव अरिजीत ने आवाज़ दी है, और इसमें मेलो डी का एक रैप सेगमेंट भी है, जो इसे आधुनिक धुन के साथ जोड़ता है। गाने का पूरा वर्जन 26 फरवरी 2026 को रिलीज़ होगा, और उसके बाद उम्मीद की जा रही है कि यह सुपरहिट टाइटल ट्रैक बने। फिल्म को बालाजी

मोशन पिक्चर्स ने प्रस्तुत किया है, जिसे केप ऑफ गुड फिल्म्स के साथ मिलकर पेश किया गया है। इस हॉरर-कॉमेडी में अक्षय कुमार के अलावा तब्बू, परेश रावल, वामिका गब्बी, राजपाल यादव और मिथिला पालकर जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं, जो फिल्म की विविधता और स्टार पावर को और मजबूत बनाते हैं। 'भूत बंगला' 10 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली है, और शुरुआती प्रचार देखने के बाद लगता है कि फिल्म अपने बड़े व्यूअर बेस को खुश करने में सक्षम होगी। फैंस सोशल मीडिया पर पहले से ही इस फिल्म के टीज़र, पोस्टर और गाने के प्रमो को लेकर गहराई से प्रतिक्रिया दे रहे हैं, जहां कई लोग इसे "कॉमिक किंग की वापसी" मान रहे हैं। बेहद ऊर्जावान और मनोरंजक टीज़र ने यह संकेत दिया है कि भूत बंगला सिर्फ एक सामान्य हॉरर-कॉमेडी नहीं है, बल्कि वह पुराने ज़माने की हास्य-भरी फिल्मों की वह झलक है जो दर्शकों को बड़े पर्दे पर हंसी और रोमांच का अनुभव देगी।



बीएसपी विधायक उमाशंकर सिंह के घर आयकर छापा मंत्री ने संवेदनशील परिस्थितियों पर जताई नाराजगी

लखनऊ में बीएसपी विधायक उमाशंकर सिंह के घर आयकर छापे को उनके गंभीर स्वास्थ्य हालात और राजनीतिक हलकों में संवेदनशीलता के संदर्भ में देखा जा रहा है।

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में मंगलवार को उमाशंकर सिंह के घर आयकर विभाग की टीम ने छापा मारा। उमाशंकर सिंह बहुजन समाज पार्टी के इकलौते विधायक हैं और वर्तमान में गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं। उन्हें कैंसर है और पिछले दो वर्षों में दो बार ऑपरेशन हो चुका है। वर्तमान में वह लखनऊ स्थित अपने आवास में आइसोलेशन में रहते हैं। सूत्रों के अनुसार, इस कार्रवाई में 50 से अधिक अधिकारी और पुलिसकर्मी शामिल थे। आयकर टीम ने उनके गोमतीनगर स्थित आवास और कार्यालय पर छापा मारा। इस दौरान डॉक्टर और नर्सों को भी घर में प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई। उनके स्वास्थ्य और जीवन सुरक्षा को देखते हुए यह कदम राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चा का विषय बन गया है। इस कार्रवाई पर दिनेश प्रताप सिंह ने भी नाराजगी



व्यक्त की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि बलिया के रसड़ा से विधायक उमाशंकर सिंह के घर आयकर टीम का छापा असंवेदनशील और अनुचित है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में उमाशंकर सिंह जीवन और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं, उनका अधिकांश समय और धन केवल इलाज में खर्च हो रहा है। उनके व्यवसाय और आय के साधन लगभग बंद हैं। दिनेश प्रताप सिंह ने आगे लिखा कि विधानसभा सत्र में भाग लेना उनके लिए

कठिन है, लेकिन इस समय उनके घर पर डॉक्टर और नर्स का भी आना जाना प्रतिबंधित कर दिया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि विधायक के स्वास्थ्य को कोई हानि होती है, तो यह संवेदनहीन संस्थाओं और अधिकारियों की जिम्मेदारी होगी। उन्होंने कहा कि न्यायालय भी दुर्लभ मामलों में मानवीय दृष्टिकोण से निर्णय देता है, लेकिन वर्तमान में यह कार्रवाई अत्यंत कठोर और असंवेदनशील प्रतीत होती है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है

कि इस तरह की कार्रवाई राजनीतिक तनाव को बढ़ा सकती है और स्वास्थ्य संबंधी संवेदनशील मुद्दों में सरकारी कार्रवाई पर सवाल खड़े कर सकती है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि आयकर विभाग इस मामले में आगे किस तरह की कार्रवाई करता है और विधायक की सुरक्षा तथा स्वास्थ्य की चिंता कैसे सुनिश्चित की जाती है। इसके अलावा राजनीतिक दल और नागरिक समाज इस मामले में संवेदनशीलता बनाए रखने पर जोर दे सकते हैं।

लखनऊ में संदिग्ध हालात में BLO लापता SIR झूटी में लगे थे

राजधानी के जानकीपुरम विस्तार से एक बीएलओ (BLO) के संदिग्ध हालात में लापता होने का मामला सामने आया है। बीएलओ दिलीप सिंह सोमवार सुबह से लापता हैं। बीएलओ के आधिकारिक व्हाट्सएप ग्रुप पर आए संदेशों ने परिजनों और पुलिस की चिंता बढ़ा दी है। ग्रुप पर भेजे गये मैसेज में एक अधिकारी पर भी गंभीर आरोप लगाये गये हैं। पुलिस ने मामले गुमशुदगी दर्ज कर लापता बीएलओ की तलाश शुरू कर दी है। परिजनों के मुताबिक, सोमवार शाम 5:40 बजे बीएलओ के मोबाइल से व्हाट्सएप (whatsapp) ग्रुप पर एक मैसेज आया, जिसने सबको चौंका दिया। जिसमें लिखा था कि "एसआईआर का कार्य छोड़कर जा रहा हूँ, मेरे नोटिस फॉर्म मेरी बाइक के झोले में हैं।" इसके ठीक कुछ देर बाद 5:54 बजे एक और मैसेज आया, जिसमें एक अधिकारी पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। परिजनों के अनुसार, सोमवार सुबह साथी एक बीएलओ ने उन्हें फोन कर बुलाया था। दिलीप सिंह पैदल ही घर से निकले थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। काफी खोजबीन के बाद पता चला कि उनके मोबाइल की आखिरी लोकेशन जुगौर इलाके में मिली थी, जिसके बाद उनका फोन बंद हो गया। बीएलओ दिलीप सिंह जानकीपुरम विस्तार में अपनी पत्नी, दो बेटियों और एक बेटे के साथ रहते हैं। बीएलओ के संदिग्ध हालात में लापता होने के बाद घर में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस बीएलओ की तलाश के साथ-साथ यह पता लगाने की भी कोशिश कर रही है कि ग्रुप पर लिखे हुए मैसेज किसने भेजे हैं?

सरकार पर आरोप, शंकराचार्य के समर्थन में भाजपा कांग्रेसियों का कलेक्ट्रेट प्रदर्शन

राजधानी लखनऊ में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने ज्योतिर्मठ के स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के समर्थन में कलेक्ट्रेट पर जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेसियों ने कलेक्ट्रेट के मुख्य द्वार को घेरते हुए "शंकराचार्य पर अत्याचार बंद करो" और "साधु-संतों का अपमान बंद करो" जैसे नारे लगाए। पार्टी ने भाजपा सरकार पर शंकराचार्य, साधु-संतों और हिंदू धर्म की छवि खराब करने का आरोप लगाया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन सौंपा। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अमित सिंह ने कांग्रेसियों से ज्ञापन प्राप्त किया। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि शंकराचार्य और उनके शिष्यों के साथ दुर्व्यवहार और उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करना धार्मिक स्वतंत्रता के खिलाफ है और लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के निर्देश पर जिले और शहर की सभी इकाइयों ने यह प्रदर्शन किया। पार्टी नेताओं ने कहा कि यह आंदोलन संतों के सम्मान और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए किया गया है। उन्होंने सरकार से अपील की कि मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच करवाई जाए और दोषियों को कानून के अनुसार सजा दी जाए। सूत्रों के अनुसार, प्रशासन ने प्रदर्शन को देखते हुए कलेक्ट्रेट और आसपास के इलाकों में सुरक्षा कड़ी कर दी थी। अतिरिक्त पुलिस फोर्स तैनात किया गया और किसी भी अप्रिय घटना

को रोकने के लिए सतर्कता बरती गई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने संतों के साथ दुर्व्यवहार और एफआईआर मामलों में कार्रवाई नहीं की, तो पार्टी बड़े पैमाने पर आंदोलन करने को तैयार है। वहीं भाजपा नेताओं ने इसे राजनीतिक तौर पर मुद्दा बनाने का प्रयास बताया और कहा कि सरकार का उद्देश्य कानून के अनुसार कार्रवाई करना है। प्रदर्शन में जिलाध्यक्ष, शहर अध्यक्ष, ब्लॉक प्रमुख और अन्य वरिष्ठ कांग्रेस नेता उपस्थित रहे। प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से समाप्त हुआ, लेकिन राजनीतिक हलकों में इस आंदोलन को लेकर चर्चा जारी है और आगामी दिनों में दोनों पक्षों के बयानों और संभावित राजनीतिक प्रतिक्रिया पर नजर बनी हुई है।



होली से पहले स्कूल शिक्षा विभाग ने वेतन भुगतान की समय सीमा तय की

होली के त्योहार को देखते हुए महानिदेशक स्कूल शिक्षा ने बेसिक और माध्यमिक शिक्षा के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों का वेतन 2 मार्च 2026 तक जारी करने के निर्देश दिए हैं। निर्देश में कहा गया है कि 2 मार्च को होलिका दहन और 4 मार्च को रंगोत्सव है, इसलिए त्योहार के पहले सभी कर्मचारियों को समय पर वेतन मिलना सुनिश्चित किया जाए। जारी किए गए आदेश में सभी निदेशालयों, कार्यालयों और वित्त विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देश दिया गया है कि वे अपने विभाग में कार्यरत सभी प्रकार के कर्मचारियों और अधिकारियों के वेतन भुगतान की प्रक्रिया को समय रहते पूरा करें। इसके तहत वेतन की जांच, स्वीकृति और भुगतान कार्य को बिना विलंब के पूरा करने का निर्देश दिया गया है। वेतन समय पर मिलने से कर्मचारियों को होली उत्सव की तैयारियों में आसानी होगी और आर्थिक स्थिति से संबंधित किसी



परेशानी से बचा जा सकेगा। अधिकारियों ने कहा कि यह आदेश कर्मचारियों की सुविधा और प्रशासनिक पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जारी किया गया है। इसके अलावा, विभाग ने यह भी कहा कि भुगतान प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की चूक या देरी की स्थिति में जिम्मेदार अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। इस निर्देश के बाद स्कूल शिक्षा विभाग के सभी कर्मचारियों ने राहत की सांस ली है और वे अपने त्योहार की तैयारियों में जुट गए हैं।

शटर तोड़कर मोबाइल शॉप में लाखों की चोरी खाली मिला थाना

ग्राम भगौतापुर के निवासी आदर्श त्रिवेदी की इटौंजा थाने के पास श्रीबाला जी मोबाइल शॉप है। मंगलवार रात आठ बजे वह शॉप बंद करके घर गए। बुधवार सुबह पड़ोस के दुकानदार ने उन्हें फोन करके बताया कि उनकी शॉप का शटर टूटा है। दुकान में चोरी हुई है। सूचना पर वह शॉप पर पहुंचे। किसी तरह से शटर उठाकर अंदर गए। अंदर सामान बिखरा था। रैक खाली थे। गल्ला भी खाली था। उन्होंने बताया कि चोर करीब 2 लाख के 6 मोबाइल और एक्सेसरीज चोरी करके ले गए। आदर्श त्रिवेदी ने दुकान के अंदर CCTV कैमरे लगाए हैं। कैमरे में 2 चोर कैद हुए हैं। उसमें साफ दिख रहा है कि काली हुडी पहने एक चोर पहले शॉप में घुसता है। सीधे गल्ले के पास पहुंचकर उसे खंगालता है। कुछ देर में मुंह पर रुमाल बांधे दूसरा चोर अंदर आता है। दोनों रुपए, मोबाइल और नकदी चोरी की। उनका एक साथी बाहर बाइक लेकर खड़ा था। दोनों चोर उसके साथ फरार हो गए। आदर्श त्रिवेदी ने बताया- दुकान थाने के पास है। इस वजह से मैंने 112 पर कॉल करने के बजाय सीधे थाने जाकर FIR कराना उचित समझा। सुबह करीब 9 बजे मैं थाने पर गया तो वहां कोई भी पुलिसकर्मी नहीं मिला। थाना खाली था। मैंने उसका वीडियो बनाया और वापस दुकान पर आ गया। दुकान से 112 पर कॉल किया। करीब 15 मिनट बाद पुलिस आई। 112 के पुलिसकर्मीयों ने थाने में इसकी सूचना दी। इसके बाद थाने से पुलिस आई और छानबीन की। एसपी बीकेटी ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में है। जांच करके कार्रवाई की जाएगी।

लखनऊ मर्डर केस में चौंकाने वाला खुलासा पिता की दूसरी शादी की बात से नाराज था अक्षत

राजधानी में 20 फरवरी को हुए पिता-पुत्र हत्याकांड में नए खुलासे सामने आए हैं। पुलिस के मुताबिक, मानवेंद्र सिंह की हत्या उनके बेटे अक्षत प्रताप सिंह उर्फ राजा ने की थी। पिता मानवेंद्र की दूसरी शादी को लेकर नाराज



रहने के कारण बेटे ने यह खौफनाक कदम उठाया। घटना की जांच में यह सामने आया है कि हत्या के बाद अक्षत प्रताप ने शव के पास ही बैठकर नॉनवेज खाना खाया। इतना ही नहीं, मृतक की बेटी कृति भी पिता की हत्या के बाद अपने एग्जाम देने जाती रही। आरोप है कि शव को छुपाने के लिए अक्षत ने आरी और नीला ड्रम खरीदा था और बहन कृति तथा चाची से मिली-जुली योजना बनाई ताकि चाची उस कमरे में न जाएं जहां शव रखा गया था। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि कृति की इस मामले में क्या भूमिका रही। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि क्या उसने घटना के दौरान डर के कारण चुप्पी साध रखी थी या किसी प्रकार की जानकारी थी। पुलिस पूछताछ में 21 वर्षीय अक्षत ने बताया कि

पिता को गोली मारने के बाद वह अपनी चाची के पास गया और वहां से चिकन और पनीर की सब्जी बनवाकर शव के पास बैठकर बहन कृति के साथ खाना खाया। इस घटना में पिता मानवेंद्र सिंह की लाइसेंसी राइफल का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने बताया कि उन्होंने सुबह 4.30 बजे सोते हुए पिता के सिर में गोली मारी और तब तक वहीं खड़ा रहा जब तक पिता की सांस नहीं थम गई। इसके बाद अक्षत ने शव को थर्ड फ्लोर से ग्राउंड फ्लोर के बाथरूम में स्थानांतरित किया, शव को आरी से काटा और नीले ड्रम में भर दिया। इस खौफनाक हत्याकांड की परतें अब खुलती जा रही हैं और पुलिस लगातार नए पहलुओं की जांच कर रही है।

उन्नाव में शोक कार्यक्रम में पहुंचे अखिलेश यादव शंकराचार्य प्रकरण पर बीजेपी सरकार पर साधा निशाना

उन्नाव। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव मंगलवार को उन्नाव में एक शोक कार्यक्रम में शामिल हुए और दिवंगत ओमकार सिंह यादव के परिवार से मुलाकात कर संवेदनाएं व्यक्त की। इस अवसर पर उन्होंने मीडिया से बातचीत में शंकराचार्य प्रकरण और उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर के मुद्दे पर भाजपा सरकार पर कड़ा निशाना साधा। अखिलेश यादव ने कहा कि ओमकार सिंह यादव के पिता डॉ. गंगा सागर यादव ने भारतीय वायुसेना में सेवा करते हुए देश की भक्ति में योगदान दिया। उनके निधन से परिवार और पूरे समाज को गहरा दुख पहुंचा है। उन्होंने जानकारी दी कि ओमकार सिंह यादव गोरखपुर में मदन मोहन मालवीय विश्वविद्यालय के पहले कुलपति रहे और उनकी शैक्षणिक योग्यता और प्रशासनिक अनुभव के आधार पर उत्तराखंड की एक विश्वविद्यालय में भी कुलपति पद संभाला। उनका योगदान शिक्षा और प्रशासनिक क्षेत्र में प्रशंसनीय रहा। अखिलेश यादव ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ दर्ज एफआईआर और 'हिंदुत्व खतरे में है' जैसे बयान को गंभीर विषय बताते हुए कहा कि शंकराचार्य का पद अत्यंत पूजनीय है और उसका सम्मान बनाए रखना समाज की जिम्मेदारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार

विरोधियों की आवाज दबाने के लिए कानूनी कार्रवाई और प्रशासनिक दबाव का प्रयोग कर रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि त्रिवेणी और गंगा स्नान जैसे धार्मिक स्थलों पर पूज्य शंकराचार्य को स्नान से रोकने और उनके साथ दुर्व्यवहार करने की घटनाएं अत्यंत चिंता जनक हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने रथ को धक्का देकर हटा दिया और संतों के साथ अनुचित व्यवहार किया, जबकि बाद में उपमुख्यमंत्री द्वारा माफी मांगने की घोषणा की गई। इसके

बावजूद एफआईआर दर्ज कर दी गई, जिससे धार्मिक गरिमा और कानून व्यवस्था दोनों पर सवाल उठते हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि सनातन परंपरा में शंकराचार्य का स्थान सर्वोच्च और पूजनीय है। उन्होंने सभी धर्मनिष्ठ और जागरूक नागरिकों से अपील की कि वे शंकराचार्य और धार्मिक परंपराओं के सम्मान की रक्षा के लिए आगे आएँ। अखिलेश यादव ने यह भी कहा कि मीडिया और नागरिकों को इस मामले में सतर्क रहकर सच्चाई सामने लानी चाहिए

और राजनीतिक दबाव में धार्मिक संस्थाओं की गरिमा को प्रभावित नहीं होने देना चाहिए। उक्त मौके पर पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं की भी बड़ी संख्या मौजूद थी। उन्होंने अखिलेश यादव के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि सभी धर्मनिरपेक्ष और संवेदनशील नागरिकों को इस मुद्दे पर एकजुट होकर न्याय सुनिश्चित करना चाहिए।



उन्नाव में कांग्रेस ने शंकराचार्य प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

उन्नाव। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेताओं ने बुधवार को ज्योतिर्मठ के स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से जुड़े घटनाक्रम को लेकर जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में पूरे प्रकरण की निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच की मांग की गई है, ताकि सच्चाई सामने आ सके और धार्मिक गरिमा बनी रहे। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि हाल ही में कुंभ के दौरान मौनी अमावस्या के अवसर पर शंकराचार्य और उनके शिष्यों को स्नान से रोके जाने तथा उनके साथ कथित दुर्व्यवहार की घटनाएं सामने आई थीं। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि यह मामला धार्मिक स्वतंत्रता और परंपराओं से जुड़ा हुआ है, इसलिए इसकी गंभीरता से जांच होना आवश्यक है। इसके अतिरिक्त, शंकराचार्य एवं उनके शिष्य स्वामी मुकुंदानंद ब्रह्मचारी सहित अन्य के खिलाफ दर्ज एफआईआर का भी ज्ञापन में उल्लेख किया गया है। पार्टी नेताओं ने मांग की कि एफआईआर दर्ज कराने वाले पक्ष की पृष्ठभूमि, घटनास्थल की परिस्थितियों और प्रशासनिक भूमिका की भी निष्पक्ष जांच कराई जाए। कांग्रेस नेताओं ने

कहा कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 के तहत सभी नागरिकों को धार्मिक स्वतंत्रता तथा धार्मिक संप्रदायों को अपने धार्मिक मामलों के प्रबंधन का अधिकार प्राप्त है। ऐसे में किसी भी संत या धार्मिक नेता के साथ कथित दुर्व्यवहार लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं है। यह ज्ञापन अजय राय, अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर 25 फरवरी 2026 को जिलाधिकारी उन्नाव को सौंपा गया। इस दौरान कांग्रेस विधि विभाग के अध्यक्ष जितेन सिंह 'जीतू', जिला उपाध्यक्ष हनुमत सिंह, विनय प्रकाश श्रीवास्तव, जिला कोषाध्यक्ष शिवम अवस्थी, महासचिव युसूफ फारूकी, खुर्रम, अनुराग सिंह, दीपेंद्र सिंह, शहर अध्यक्ष फैज फारूकी, ब्लॉक अध्यक्ष मणिकांत गौतम, तन्मय श्रीवास्तव, रज्जन सोनी सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे। जिलाध्यक्ष सुरेंद्र कुशवाहा ने कहा कि इस पूरे प्रकरण में सत्य को सार्वजनिक करना और न्याय सुनिश्चित करना लोकतांत्रिक व्यवस्था की जिम्मेदारी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार और संबंधित प्रशासनिक अधिकारी मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई करेंगे।



बिछिया ब्लॉक में खनन को लेकर ग्रामीणों का विरोध फसल और नई सड़क बचाने की मांग

उन्नाव। जिले के बिछिया ब्लॉक के पर्वई और मखारा गांवों की सीमा पर प्रस्तावित खनन कार्य को लेकर बुधवार को ग्रामीणों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। जैसे ही खनन शुरू होने की तैयारी की सूचना गांव में फैली, बड़ी संख्या में किसान और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और काम रुकवा दिया। खेतों में खड़ी गेहूं की लहलहाती फसल और हाल ही में बनी संपर्क सड़क को देखते हुए ग्रामीणों ने प्रशासन और ठेकेदारों के खिलाफ नाराजगी जताई। ग्रामीणों का कहना है कि इस समय उनकी फसल कटाई के लिए तैयार है। ऐसे में भारी मशीनों और डंपरों की आवाजाही से फसल को गंभीर नुकसान हो सकता है। किसानों ने मांग की कि कम से कम एक महीने का समय दिया जाए, ताकि वे सुरक्षित तरीके से अपनी फसल काट सकें। उनका सुझाव था कि कटाई के बाद खेतों के बीच से वैकल्पिक मार्ग बनाकर डंपरों की आवाजाही कराई जाए। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि पर्वई से मखारा को जोड़ने वाली सड़क का निर्माण लगभग 15 दिन पहले ही

पूरा हुआ है, जिस पर करीब साढ़े तीन करोड़ रुपये की लागत आई है। उनका तर्क था कि यदि इसी नई सड़क से भारी डंपर गुजरेंगे तो सड़क जल्द ही जर्जर हो जाएगी और सरकारी धन की बर्बादी होगी। मामले की सूचना पर खनन अधिकारी मनीष यादव मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से वार्ता की। किसानों और ग्राम प्रधानों ने अपनी समस्याएं विस्तार से रखीं। स्थिति को समझते हुए खनन अधिकारी ने संबंधित ठेकेदारों को तत्काल निर्देश दिए कि वे वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करें और नई सड़क से डंपरों की आवाजाही न कराएं। अधिकारियों के आश्वासन के बाद फिलहाल स्थिति शांत हो गई है। हालांकि ग्रामीणों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि उनकी फसल या गांव की सड़क को नुकसान पहुंचा तो वे बड़ा आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। मौके पर ग्राम पर्वई के प्रधान रामजीवन, बुद्धि लाल शर्मा, अकील, राधेश्याम यादव, लाल अग्निहोत्री, रामस्वरूप, कल्लू रावत सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

तिलक समारोह जाते समय पिता-पुत्र सड़क दुर्घटना में घायल हो गए। यह हादसा हाजीपुर गोसा के पास उस समय हुआ, जब उनकी बाइक को एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइक से उछलकर सड़क पर गिर पड़े। जानकारी के अनुसार, रामपुर खंजड़ी गांव निवासी जगदीश प्रसाद (65) पुत्र रामलाल अपने बेटे शरद कुमार (34) के साथ बुधवार दोपहर करीब 12 बजे लखनऊ के लिए निकले थे। परिवार में तिलक समारोह था, जिसमें शामिल होने के लिए वे समय से पहले घर से रवाना हुए थे। रास्ते में हाजीपुर गोसा के समीप अचानक सामने से आ रहे पिकअप वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पिकअप की रफ्तार अधिक थी, जिससे चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत घायलों की मदद की और 108 एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस मौके पर पहुंची और दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और रास ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार किया। डॉक्टरों के अनुसार, जगदीश प्रसाद को हल्की चोटें आई हैं, जबकि बाइक चला रहे शरद कुमार को भी मामूली चोटें आईं। चिकित्सकों ने बताया कि शरद कुमार ने हेलमेट पहन रखा था, जिसकी वजह से उनके सिर में गंभीर चोट नहीं आई और बड़ा हादसा टल गया। उपचार के बाद दोनों को घर भेज दिया गया। घटना के बाद परिजनों ने राहत की सांस ली और सड़क सुरक्षा नियमों के पालन की आवश्यकता पर जोर दिया।



उन्नाव। लखनऊ में आयोजित तिलक समारोह में शामिल होने जा रहे पिता-पुत्र सड़क दुर्घटना में घायल हो गए। यह हादसा हाजीपुर गोसा के पास उस समय हुआ, जब उनकी बाइक को एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइक से उछलकर सड़क पर गिर पड़े। जानकारी के अनुसार, रामपुर खंजड़ी गांव निवासी जगदीश प्रसाद (65) पुत्र रामलाल अपने बेटे शरद कुमार (34) के साथ बुधवार दोपहर करीब 12 बजे लखनऊ के लिए निकले थे। परिवार में तिलक समारोह था, जिसमें शामिल होने के लिए वे समय से पहले घर से रवाना हुए थे। रास्ते में हाजीपुर गोसा के समीप अचानक सामने से आ रहे पिकअप वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पिकअप की रफ्तार अधिक थी, जिससे चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत घायलों की मदद की और 108 एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस मौके पर पहुंची और दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और रास ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार किया। डॉक्टरों के अनुसार, जगदीश प्रसाद को हल्की चोटें आई हैं, जबकि बाइक चला रहे शरद कुमार को भी मामूली चोटें आईं। चिकित्सकों ने बताया कि शरद कुमार ने हेलमेट पहन रखा था, जिसकी वजह से उनके सिर में गंभीर चोट नहीं आई और बड़ा हादसा टल गया। उपचार के बाद दोनों को घर भेज दिया गया। घटना के बाद परिजनों ने राहत की सांस ली और सड़क सुरक्षा नियमों के पालन की आवश्यकता पर जोर दिया।



उन्नाव में साइबर ठगी का पैसा वापस, पुलिस ने 24 घंटे में रकम लौटवाई

उन्नाव पुलिस ने साइबर अपराधों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत त्वरित कार्रवाई करते हुए एक पीड़ित के 10 हजार रुपये 24 घंटे के भीतर वापस कराए हैं। यह मामला थाना कोतवाली सदर क्षेत्र के एबी नगर निवासी प्रतीक सिंह से जुड़ा है, जो साइबर ठगी का शिकार हुए थे। पीड़ित प्रतीक सिंह, जो 'आशा जन सेवा केंद्र' का संचालन करते हैं, ने बताया कि उनके केंद्र पर एक युवक आया था। युवक ने 10 हजार रुपये नकद मांगे और कहा कि वह 10,100 रुपये की एनईएफटी (NEFT) कर रहा है, जो दो घंटे में खाते में आ जाएगा। प्रतीक ने विश्वास करके उसे नकद राशि दे दी। आरोपी युवक दो दिनों तक फोन पर पैसे आने का आश्वासन देता रहा, लेकिन रकम खाते में नहीं पहुंची। तीसरे दिन जब प्रतीक सिंह को ठगी का एहसास हुआ, तो उन्होंने तत्काल थाना कोतवाली सदर में लिखित शिकायत दर्ज कराई। प्रतीक सिंह के अनुसार, थाना प्रभारी ने मामले को गंभीरता से लिया और स्वयं आरोपी से फोन पर बात की। पुलिस की सख्ती के बाद, ठगी गई 10 हजार रुपये की पूरी रकम 24 घंटे के भीतर प्रतीक सिंह के खाते में वापस आ गई। प्रतीक सिंह ने एक वीडियो बयान में पुलिस कार्रवाई के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा, "थाना प्रभारी जी ने खुद कॉल किया और पूछा कि पैसे रिफंड क्यों नहीं कर रहे हो।



पत्नी की चैटिंग को लेकर विवाद, परिवार में दो मौतों से सनसनी

शुक्लागंज में गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के सहजनी निवासी विकास गुप्ता (45) और उनकी बेटी वेदिका (13) के खुदकुशी करने के पीछे का कारण विकास का उनकी पत्नी का किसी शख्स से व्हाट्सएप चैट करने को लेकर होने वाला विवाद बताया गया। दोनों के शव सोमवार रात नौ बजे सहजनी रेलवे क्रॉसिंग के पास कानपुर-लखनऊ रेलवे ट्रैक पर मिले थे। विकास के छोटे भाई शिवम ने अपनी भाभी पर एक युवक के संपर्क में होने का आरोप लगाया। शिवम ने पुलिस को दी गई तहरीर में भाई के ससुराल वालों पर भाई और भतीजी की हत्या कर शव रेलवे ट्रैक पर फेंकने का भी आरोप

लगाया। सोमवार रात करीब नौ बजे सहजनी रेलवे क्रॉसिंग से 100 मीटर पहले ट्रैक पर पिता-पुत्री के क्षत-विक्षत शव मिले थे। घटना स्थल से करीब 100 मीटर दूर लावारिस कार भी मिली थी। कार नंबर के आधार पर पुलिस परिजनों तक पहुंची। कोतवाली पहुंची पत्नी शैफाली ने पति विकास गुप्ता व बेटी वेदिका के रूप में दोनों की पहचान की। पूछताछ में शैफाली पुलिस के सामने चुप्पी साधे रही। घाट पर पहुंचे मकड़ीखेड़ा निवासी विकास गुप्ता के छोटे भाई शिवम ओमर ने आरोप लगाया कि भाभी शैफाली जनवरी से व्हाट्सएप चैटिंग के जरिये दुबई में रहने वाले एक युवक के संपर्क में है। इसकी

जानकारी विकास को हुई थी, जिसे लेकर दोनों में झगड़े शुरू हो गए। कलह इतनी बढ़ गई विकास ने बेटी के साथ मिलकर खुदकुशी कर ली। उधर, गंगाघाट कोतवाली के कार्यवाहक प्रभारी रामबचन भारती ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम के बाद मंगलवार को मिश्रा कॉलोनी पक्का घाट पर शैफाली व उसके बड़े भाई शशांक ने दोनों शवों का अंतिम संस्कार कर दिया। मूल रूप से कानपुर के कल्याणपुर निवासी विकास गुप्ता सहजनी में पत्नी शैफाली उर्फ डॉली गुप्ता और बेटी वेदिका के साथ किराये के मकान में रहते थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का टोक्यो में भव्य स्वागत निवेश और तकनीकी साझेदारी पर रहेगा जोर

मुख्यमंत्री के खान-पान का विशेष ध्यान रखा गया है। उनके लिए शुद्ध शाकाहारी नाश्ते की व्यवस्था की गई है, जिसमें पारंपरिक जापानी 'मिसो सूप' और 'टोफू' शामिल हैं। उनके लिए बिना लहसुन-प्याज वाला सादा भोजन ही परोसा जाएगा। इसके अलावा उबली हुई सब्जियां और सोया दूध भी मेनू में रखा गया है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बुधवार को टोक्यो पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। यह उनकी जापान की पहली आधिकारिक यात्रा है, जिसका मुख्य उद्देश्य उत्तर प्रदेश में निवेश आकर्षित करना और औद्योगिक सहयोग को मजबूत करना है। मुख्यमंत्री का स्वागत यामानाशी प्रीफेक्चर के वाइस गवर्नर जुनिची इशिडोरा, प्रवासी भारतीय समुदाय के सदस्यों तथा जापान में भारत की राजदूत नगमा एम. मलिक ने किया। भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर जानकारी दी कि राजदूत ने मुख्यमंत्री का औपचारिक स्वागत किया। अधिकारियों के अनुसार, यह यात्रा भारत और जापान के बीच रणनीतिक एवं आर्थिक संबंधों को और गहरा करने की दिशा में अहम कदम है। राज्य सरकार उत्तर प्रदेश को वैश्विक निवेश का पसंदीदा गंतव्य बनाने के लक्ष्य के



साथ आगे बढ़ रही है। इससे पहले सिंगापुर दौर के दौरान मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य प्रतिनिधिमंडल लगभग 6000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आकर्षित कर चुका है। जापान प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री विभिन्न औद्योगिक समूहों और निवेशकों से मुलाकात करेंगे। माना जा रहा है कि इस दौरे से विनिर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल और हरित ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री के खान-पान का भी विशेष ध्यान रखा गया है। उनके लिए शुद्ध शाकाहारी नाश्ते की व्यवस्था की गई है, जिसमें पारंपरिक जापानी 'मिसो सूप' और 'टोफू' शामिल हैं। इसके अलावा उबली हुई सब्जियां और सोया दूध भी मेनू का हिस्सा हैं। मुख्यमंत्री के लिए बिना लहसुन-प्याज वाला सादा भोजन ही

परोसा जाएगा। यह दौरा उत्तर प्रदेश की अंतरराष्ट्रीय पहचान को सुदृढ़ करने और राज्य में विदेशी निवेश को नई गति देने के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मुख्यमंत्री इस दौरे के दौरान ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, रक्षा विनिर्माण, हरित ऊर्जा और शहरी अवसंरचना से जुड़ी अग्रणी जापानी कंपनियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे। राज्य सरकार विशेष रूप से औद्योगिक कॉरिडोर, डिफेंस कॉरिडोर और डेटा सेंटर परियोजनाओं में निवेश आकर्षित करने पर जोर दे रही है। इसके साथ ही कौशल विकास, तकनीकी सहयोग और स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने पर भी चर्चा होने की संभावना है, ताकि उत्तर प्रदेश के युवाओं को वैश्विक स्तर के रोजगार अवसर मिल सकें। दौरे के दौरान

मुख्यमंत्री प्रवासी भारतीय समुदाय को भी संबोधित कर सकते हैं। माना जा रहा है कि सांस्कृतिक आदान-प्रदान और पर्यटन सहयोग पर भी चर्चा होगी, जिससे अयोध्या, वाराणसी और मथुरा जैसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और बढ़ावा मिल सके। इससे पहले सिंगापुर यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य का प्रतिनिधिमंडल लगभग 6000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आकर्षित कर चुका है। सरकार को उम्मीद है कि जापान यात्रा से भी महत्वपूर्ण निवेश समझौते (एमओयू) सामने आ सकते हैं।

**सौतेली मां बनी हैवान
मासूम बच्ची को मजाया,
कुल्हाड़ी से धड़ से
अलग किया सिर**

टीवी भारतवर्ष गोरखपुर

गोरखपुर के पिपराइच थाना इलाके के ग्राम इमलिया उर्फ विजहरा में सोमवार देर रात दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। नवविवाहित सौतेली मां ने अपनी तीन साल की मासूम बेटी की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी। उसका सिर धड़ से अलग कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी महिला को हिरासत में ले लिया। बताया जा रहा है कि बच्ची के पिता त्रिवेणी मौर्य की पहली पत्नी की मौत हो गई थी। पहली पत्नी से उनकी तीन साल की बेटी अदिति थी। बच्ची की देखभाल और घर संभालने के लिए उन्होंने 25 जनवरी 2026 को सहजनवां इलाके से दूसरी शादी की थी। शादी के करीब एक महीने बाद ही यह खौफनाक घटना हो गई। परिजनों और ग्रामीणों के अनुसार, रात करीब 12 बजे महिला ने बच्ची को तेल और सिंदूर लगाकर तैयार किया। इसके बाद उसे घर के अंदर बने देवस्थान पर ले गई। वहां कुल्हाड़ी से उसका गला काट दिया। कुछ ग्रामीण इसे बली देने की घटना भी मान रहे हैं। घर के अंदर हलचल होने पर बाहर सो रहे पिता त्रिवेणी मौर्य को शक हुआ। जब उन्होंने फोन किया और अंदर जाकर देखा तो घटना का पता चला। शोर मचाने पर आरोपी महिला भागने की कोशिश करने लगी, लेकिन ग्रामीणों ने दौड़ाकर पकड़ लिया। सूचना पर पुलिस और क्षेत्राधिकारी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है और पूरे मामले की जांच की जा रही है।

गोरखपुर में विरासत गलियारा का कार्य अंतिम चरण में

होली से पहले पांडेयहाता से घंटाघर तक सड़क तैयार

टीवी भारतवर्ष गोरखपुर

शहर में नार्मल से पांडेयहाता होते हुए घंटाघर तक बन रहा विरासत गलियारा अब अंतिम चरण में पहुंच गया है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्लूडी) के निर्माण खंड-दो द्वारा इस परियोजना पर दिन-रात काम कराया जा रहा है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, इसी सप्ताह तक अधिकांश निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा। नार्मल से घंटाघर तक सड़क पर गिट्टी बिछाने का काम पूरा हो चुका है और अब डामरीकरण की तैयारी तेज कर दी गई है। साथ ही नालों पर स्लैब रखने का कार्य भी तेजी से चल रहा है। धर्मशांता से रेती चौक तक का निर्माण कार्य भी गति पकड़ चुका है। विरासत गलियारा के दायरे में आने वाले अतिक्रमण और पुराने निर्माणों को हटाने का निर्माण लगभग पूरा कर लिया गया है। निर्माण खंड-दो के अधिशासी अभियंता अरविंद सिंह ने बताया कि परियोजना की अंतिम तिथि 27 अप्रैल निर्धारित है, लेकिन विभाग ने मार्च में ही



कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि होली से पहले पांडेयहाता से घंटाघर तक का मार्ग सुचारु रूप से तैयार कर लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इसी मार्ग से भगवान नरसिंह की शोभायात्रा भी निकलती है, जिससे परियोजना का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व और बढ़ जाता है।



**प्रति वर्ष 400 लाख टन फल
एवं सब्जियों का उत्पादन**

गन्ना, चीनी, खाद्यान्न, आम, दुग्ध, आलू,
शीरा उत्पादन में अग्रणी



शंकराचार्य जैसी संस्था को समाप्त

करने का रचा जा रहा इतना बड़ा षड्यंत्र

बोले- स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

शंकराचार्यस्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि शंकराचार्य जैसी संस्था को समाप्त करने का इतना बड़ा षड्यंत्र रचा जा रहा है। यह मामला भारत के दुर्लभतम मामलों में प्रवेश कर रहा है। इस पर पूरे देश को ध्यान देने की जरूरत है। अगर मुझ पर लगाए गए आरोप साबित होते हैं तो फिर शंकराचार्य को इतना बड़ा दंड देना चाहिए जिसे सदियों तक याद रखा जाए। लेकिन अगर आरोप साबित नहीं होते हैं तो शिकायतकर्ता के लिए भी वैसा ही दंड होना चाहिए। ये बातें मंगलवार को स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने पत्रकारों से कहीं। उन्होंने कहा कि यह कोई ऐसा मामला नहीं है कि कोई भी आया और शिकायत करके निकल गया। शंकराचार्य ने एक फोटो दिखाते हुए कहा कि इनका नाम अजय पाल शर्मा है। इस समय इनके अधीन ही जांच चल रही है। इनके साथ दिख रहा व्यक्ति शिकायतकर्ता हिस्ट्रीशीटर है और वह पुलिस के बड़े अफसर के साथ केक काटकर बर्थडे मना रहा है। हमें यह तस्वीर कुछ लोगों ने



भेजी है और अब लोग ही कह रहे हैं कि जब जांचकर्ता और शिकायतकर्ता एक साथ केक काटते दिखाई दे रहे हैं तो क्या जांच होगी। जब यह पहले से ही मिले हैं इनसे न्याय की क्या उम्मीद कर सकते हैं। शिकायतकर्ता बच्चों के बारे में शंकराचार्य ने कहा कि सबसे बड़ी बात उन बच्चों से हमारा क्या कनेक्शन, जो बच्चे कभी हमारे सामने नहीं आए जिन्हें मैं जानता नहीं हूँ। एक सवाल के जवाब में कहा कि अधिवक्ताओं का पैनल बना दिया है वह कोर्ट में अपनी बात रख रहे हैं। कहा कि अभी तक कोई जांच एजेंसी उनसे पूछताछ करने नहीं आई है।

करके दिखाए जो डबल इंजन सरकार है वो

UPGovtOfficial CMOUTtarpradesh CMOfficeUP

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश